भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1404

उत्तर देने की तारीख: 01.07.2019

योग शिक्षा

1404. श्री मनोज तिवारीः

श्री कृपाल बालाजी तुमानेः

श्री बैन्नी बेहननः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार निकट भविष्य में सीबीएसई विद्यालयों सहित सभी विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में चिकित्सा विज्ञान को योग के एक भाग के रूप में तथा योग को पाठ्यक्रम के अनिवार्य विषय के रूप में शामिल करने पर विचार कर रही है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है;

(ग) सरकार द्वारा अब तक स्वीकृति प्रदान किए गए व्यावसायिक योग पाठ्यक्रमों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) देश में योग को बढ़ावा दिए जाने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्री

(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क) और (ख): मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने विश्वविद्यालय में योग शिक्षा पर संस्तुतियां देने के लिए प्रो. नगेन्द्र, कुलपति, स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू (एस-व्यास) की अध्यक्षता में एक समिति गठित की थी। इस समिति ने अपनी संस्तुतियों में योग पाठ्यक्रमों हेतु पाठ्यचर्या निर्धारित की है। अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में मंत्रालय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को

विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में निम्नलिखित पांच योग पाठ्यक्रम को बढ़ावा देने को कहा है:

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम कोड	अवधि
1	स्नातक विज्ञान (योग)	बी.एससी (योग)	3 वर्ष से 6 वर्ष
2	स्नातकोत्तर विज्ञान (योग)	एम.एससी (योग)	2 वर्ष से 4 वर्ष
3	डॉक्टर ऑफ फिलोसोफी	पीएच.डी (योग)	यूजीसी द्वारा निर्दिष्ट पीएच.डी अवधि के अनुसार
4	योग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पीजीडीवाई	1 वर्ष से 2 वर्ष
5	योग थैरेपी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	पीजीडीवाईटी	1 वर्ष से 2 वर्ष

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा-I से XII तक सभी के लिए स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा को अनिवार्य कर दिया है। स्कूलों को यह सलाह दी गई है कि स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा में तीन क्षेत्र अर्थात स्वास्थ्य शिक्षा, शारीरिक शिक्षा और योग शामिल है तथा ये सभी तीन क्षेत्र सर्वांगीण स्वास्थ्य (शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक और आध्यात्मिक) को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क (एनसीएफ), 2005, योग की स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा की एक अभिन्न अंग के रूप में सिफारिश करना है। स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा कक्षा I से X तक एक अनिवार्य विषय और कक्षा XI से XII तक एक वैकल्पिक विषय है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने पहले ही कक्षा I से कक्षा X तक स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा पर एकीकृत पाठ्यचर्या विकसित की है। यह पाठ्यचर्या एनसीईआरटी वेबसाइट www.ncert.nic.in पर उपलब्ध है।

(ग): सरकार ने मानकीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए व्यक्तियों को प्रमाणपत्र और संस्थाओं को प्रत्यापन प्रदान कर एक योग प्रमाणीकरण बोर्ड (वाईसीबी) की स्थापना की है। वाईसीबी ने योग हेतु प्रमाणीकरण के तीन स्तर नामत: स्तर-।/योग प्रोटोकॉल इंस्ट्रक्टर), स्तर-।। (योग वैलनेस इंस्ट्रक्टर) और स्तर-3 (योग शिक्षक एवं मूल्यांकक)

को अनुमोदित किया है। इसके अतिरिक्त, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान पर आयोजित योग व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का ब्यौरा संलग्नक के रूप में संलग्न है।

(घ): सरकार ने भारत में प्रामाणिक योग प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए विदेशों से योग सीखनेवालों को प्रोत्साहित करने हेतु योग को "स्टडी इन इंडिया" कार्यक्रम में भी शामिल किया है। यूजीसी ने अंतर विश्वविद्यालय केंद्र-योग विज्ञान की स्थापना को अनुमोदित किया है जोकि बैंगलुरू में स्थापित किया जाएगा और जनवरी, 2017 से यूजीसी-नेट में योग को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) विषय के रूप में शुरू किया गया है। इसके अतिरिक्त, देश में योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 09 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में योग विभाग की स्थापना की गई है।

सरकार ने मानकीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए व्यक्तियों को प्रमाणपत्र और संस्थाओं को प्रत्यापन प्रदान कर एक योग प्रमाणीकरण बोर्ड (वाईजीबी) की स्थापना की है। यह भारत और अन्य देशों में योग के प्रचार-प्रसार हेतु एक महत्वपूर्ण कदम है। आयुष मंत्रालय की सूचना शिक्षा एवं संचार (आईईसी) योजना के तहत योग के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने और लोगों तक पहुंच बनाने के लिए अनेक गतिविधियां शुरू की जाती हैं। आईईजी गतिविधियों में लोगों के बीच योग के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए टीवी, रेडियो, प्रिंट मीडिया पर कार्यक्रम, सेमिनार, आरोग्य मेले, सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं शामिल हैं।

विदेशों में भारतीय मिशन, भारतीय सांस्कृतिक संपर्क परिषद (आईसीसीआर) और पर्यटन मंत्रालय योग को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक वर्ष अनेक गतिविधियां आयोजित करता है जिसकी विशेषताओं में महत्वपूर्ण स्थल एफिल टावर, टाइम्स स्क्वायर आदि सहित विश्वभर के विभिन्न आइकेनिक शहरों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित अधिक संख्या में योग प्रदर्शन शामिल है।

एनसीईआरटी ने देश में विभिन्न स्तरों पर योग ओलपिंयाड का आयोजन किया। एनसीईआरटी, नई दिल्ली में 18 से 20 जून, 2019 को आयोजित राष्ट्रीय योग ओलंपियाड में राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों के स्कूलों, केंद्रीय विद्यालय संगठन (केविस), नवोदय विद्यालय समिति (नविस) और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) स्कूलों ने भाग लिया। समापन समारोह नई दिल्ली में आयोजित किया गया था जिसमें विजेता टीमोंको पुरस्कार किया गया।

समापन समारोह नई दिल्ली में आयोजित किया गया जिसमें विजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। आयुष मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (एनआईएन) नामक एक संस्थान योग व प्राकृतिक चिकित्सा को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रतिमास औसतन 16 पहुंच कार्यकलापों का आयोजन करता है। इनमें से कुछ आयोजन पुणे के निकटस्थ गांवों में किए जाते है। राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के अधीन राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों को आयुष स्वस्थ्यता केंद्र, जिनका योग एक महत्वपूर्ण संघटक होता है, स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

इसके अतिरिक्त, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तहत मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) एक स्वायत्त संगठन है। एमडीएनआईवाई योग शिक्षा, प्रशिक्षण, थैरेपी और अनुसंधान और इसके सभी पहलुओं की आयोजना, प्रशिक्षण, संर्वधन और समन्वय के लिए एक महत्वपूर्ण संस्थान है। एमडीएनआईवाई का उद्देश्य लोगों के बीच शास्त्रीय योग के आधार पर योग दर्शनशास्त्र और प्रथाओं की गहन समझ का बढ़ावा देना है।

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एनडीएनआईवाई) के कार्यक्रम
शिक्षा कार्यक्रम
गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, सेक्टर -16, द्वारका , नई दिल्ली से संबद्ध बीएससी (योग विज्ञान)
स्नातकों के लिए योग विज्ञान (डीवाईएस) में डिप्लोमा
विशेष रुचि समूहों के लिए योग विज्ञान में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम
योग प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
कल्याण के लिए योग विज्ञान में फाउंडेशन कोर्स (एफसीवाईएसडब्ल्यू)
स्वास्थ्य संवर्धन के लिए योगासन में प्रमाण पत्र
स्वास्थ्य संवर्धन के लिए प्राणायाम और ध्यान में प्रमाण पत्र
अग्रिम योग साधना
स्वास्थ्य संवर्धन और योग चिकित्सा कार्यक्रम
स्वास्थ्य संवर्धन कार्यक्रम (एचपीपी)
योग थेरेपी कार्यक्रम
व्यक्तिगत विशेष योग चिकित्सा सत्र
शनिवार योग प्रशिक्षण कार्यक्रम

बच्चों के लिए योग कार्यशाला (वाईडब्ल्यूसी)
तनाव प्रबंधन के लिए योग कार्यशाला
तनाव प्रबंधन कार्यशाला

*****